इब्रानियों, अध्याय दो 3

7वें, 8वें, 9वें, 10वें अध्याय में, वहाँ से, ओह प्रभु! अपनी पेंसिल और कागज़ और सब कुछ तैयार रखें, क्योंकि मैं विश्वास करता हूँ कि प्रभु हमें बहुत ही महान समय को देगा। अब हम...

218 पौलुस प्रभु यीशु को ऊंचा उठा रहा है, और स्थानीय रूप से, स्थान में रख रहा है। अब, यदि हम इसे आज रात को, रविवार की सुबह को इसमें से होकर जाते हैं... इनमें से अधिकतर रविवार की सुबह के संदेश के साथ सही रूप से मिश्रित होगा, क्योंकि यह "सब्त को अलग करता है।" आज सब्त को मानने वालो के बीच यह एक बड़ा सवाल है। और मैं आप सभी को रविवार की सुबह आने के लिए आमंत्रित करता हूं। क्योंकि, आराधना के लिए कौन सा दिन सही है, शनिवार या रविवार? बाइबल इसके विषय में क्या कहती है? और इसलिए, क्या... यह किताब व्यवस्था और अनुग्रह को अलग करती है, और यह हर एक को उसके स्थान पर रखती है। इब्रानियों को व्यवस्था के द्वारा ऊपर लाया गया था, और पौलुस उन्हें बता रहा था कि अनुग्रह ने व्यवस्था के साथ क्या काम किया।

219 अब, आइए बस एक छोटी सी बुनियाद को अब लेंगे। हम वापस से आरंभ करने जा रहे हैं।

220 वैसे, मुझे पढ़ने के लिए चश्मा लग गया है। हो सकता है मैं... यदि मैं आज रात एक—एक बात को बता रहा हूँ, मुझे यह लग गया है। आप जानते है मैं पूरी... मेरे पचास वर्ष पूरा होने के लिए सिर्फ दो वर्ष की कमी है, और मैं अपने नजदीक का पहले जैसा नहीं देख पाता। जब मेरी दृष्टि... मैंने ध्यान देना आरंभ किया शब्द धुंधले दिख रहे है, मैंने सोचा कि मैं अंधा हो रहा हूं। मैं एक जाँच करवाने के लिए गया। डॉक्टर ने कहा, "नहीं। तुम अब चालीस के पार हो, पुत्र।" तो ठीक है, उसने कहा, यदि मैं ज्यादा बूढ़ा हो जाऊंगा, तो हो सकता है यह फिर से वापस आ जाये, उस नजदीक सी दृष्टि को फिर से वापस पा सकते हूँ। उसने कहा, "अब, आप अपनी बाइबल को पढ़ सकते हैं यदि आप इसे अपने से दूर रखते हैं? "

221 मैंने कहा, "जी हां।"

222 कहा, "कुछ समय के बाद, आपका हाथ उतना लम्बा नहीं होगा।"

223 और इसलिए मैं—मैं आशा करता हूँ कि इस अध्ययन करने में, कि मैं... इस छोटी कोलिन्स बाइबल में एक अच्छे आकार की छपाई है। मैं इसे बहुत अच्छी तरह से निकाल सकता हूं। लेकिन जब हम बड़े, गहराई के स्थानों पर पहुँच जाते हैं जहाँ हमें नए और पुराने नियम को लेना होता है, और एक साथ मिलाना होता है। मेरे पास एक छोटा सा स्कोफिल्ड बाइबल है। और मैं स्कोफिल्ड बाइबल का आदि हूँ, ये चिन्हित है। मैं अब स्कोफ़ील्ड के टिप्पणीयो को नहीं पढ़ता, क्योंकि मैं स्कोफ़ील्ड की बहुत बातों से सहमत नहीं हूँ उसके—उसके सिद्धांतो से। लेकिन मैं—मैं इसके व्यवस्थित करने के तरीके को पसंद करता हूँ, क्योंकि यह... मेरे पास ये लंबे समय से थी, और इसे पढ़ा है, और बहुत कुछ, जब तक मैं एक प्रकार से यह नहीं जान लेता कि मुझे अपने को विषय कैसे पाना है।

224 यह सारा मेरे शिक्षण को लेने के लिए नया है, और मैं इतना शिक्षक नहीं हूं। लेकिन, आप थोड़ी देर के लिए मेरे साथ रहे, तो मैं आपको सत्य को बता दूँगा जहाँ तक मैं इसे जानता हूँ, किसी प्रकार से।

225 अब, यह किताब पौलुस की है, आपको याद होगा, वह... हमने उसे कैसे ढूंढा? वो आरंभ से ही एक महान शिक्षक था, या एक बड़ा विद्वान था। और उसे पुराने नियम में प्रशिक्षित किया गया था। क्या अब कोई मुझे बता सकता है कि हम किसको उसका शिक्षक पाते है? [सभा कहती है, "गमलीएल।"—सम्पा।] गमलीएल, जो उस समय के प्रसिद्ध शिक्षकों में से एक था। और फिर पौलुस, हम पाते हैं, एक दिन...

226 इससे पहले कि उसे *पौलुस* बुलाया जाए, क्या कोई मुझे बता सकता है कि उसका नाम क्या था? [सभा कहती है, "शाऊल।"—सम्पा।] शाऊल। और उसके पास यरूशलेम में एक बड़ा अधिकार था, एक धार्मिक अधिकार। और वो एक—एक वास्तविक प्रशिक्षित के रूप में ऊपर आता है, धार्मिक मनुष्य। वह चार या पांच अलग-अलग भाषाएं बोल सकता था, और एक बहुत ही चतुर मनुष्य था। तो ठीक है, क्या उसकी शिक्षा और चतुराई ने उसकी सहायता की? नहीं। उसने कहा कि मसीह को जानने के लिए उसे वो सब कुछ भूलना होगा जो वह जानता था।

227 तो हम देखते है कि, यह एक चतुर मनुष्य या एक शिक्षित मनुष्य को नहीं लेता है। यह एक—एक ऐसे मनुष्य को लेता है जो अपने आप को परमेश्वर के सामने नम्र करने की इच्छा रखता हो, भले ही कैसा भी हो।

228 क्या आप जानते हैं ड्वाइट मूडी इतना तक अशिक्षित था—था, ईमानदार, उसकी लिखावट खराब थी क्योंकि मैं नहीं समझता कि क्या है। उन्हें हर समय उसके संदेशों को सुधार करना पड़ता था। उसकी—उसकी लिखावट बहुत ही खराब थी, बहुत ही अशिक्षित।

229 क्या आप जानते हैं कि बाइबल के पतरस और यूहन्ना, वे इतने अनपढ़ थे इतना तक कि वे खुद का नाम भी नहीं लिख सकते थे, और यह नहीं जान पाएंगे कि यह उनके सामने रखा हुआ है? प्रेरित पतरस, जिसके पास राज्य की चाबियां थीं, इसे नहीं जान पायेगा कि उसका नाम उसके सामने हस्ताक्षरित है। इसके बारे में सोचे। बाइबल ने कहा, कि, "वो अनपढ़ और अशिक्षित था।" तो, यह मुझे मौके को देता है। आमीन। जी हाँ, श्रीमान। यह ठीक आगे चला जाता है, यह देखने के लिए कि परमेश्वर एक मनुष्य के लिए ऐसा कर सकता है।

230 अब, और हम पाते हैं, जैसे ही पौलुस को एक महान अनुभव मिला था... मैं आपसे पूछना चाहता हूँ। क्या मसीह के पास आना ये एक अनुभव है? क्या हर एक के पास अनुभव है? [सभा कहती है, "हां।"—सम्पा।] जी हाँ, श्रीमान। जी हाँ, श्रीमान। यह एक जन्म है। यह एक अनुभव है। और सो हम लूथरन कॉलेज में थे, ज्यादा समय नहीं हुआ...

231 मुझे उस दोपहर को सौभाग्य मिला था, देर तक, मुझे बारह बजे रात के भोजन के लिए टॉम हेयर के साथ—साथ वहाँ होना था। कितनों ने कभी उनके बारे में सुना है, प्रसिद्ध, आयरिश, प्रार्थना के योद्धा? और वह इस भाई एप के साथ उनके कार्यक्रम में रहे है, और यहां अमेरिका में बहुत से स्थानो पर उपस्थित हुए है। और मैंने आज उसके साथ रात का भोजन किया था। और हम... मैं तब लगभग तीन घंटे देर से था। ये लगभग साढ़े तीन, पौने चार बज रहे थे, जब हमने खाया। लेकिन यह सब ठीक था। और हम इन बातों पर चर्चा कर रहे थे, कि कैसे यीशु मसीह सारी चीजो का प्रधान है।

232 अब, जब पौलुस को यह मालूम पड़ा, तो उसे यह अनुभव हुआ था। और फिर इससे पहले कि वह इस अनुभव को स्वीकार करे, इसे अवश्य ही बाइबल में वापस जाना होगा। और हम देखते है कि वो—कि वो वहां से निकलकर और दूसरे राष्ट्र में चला गया, और वहां पर वो तीन वर्ष तक

रहा, वचन में ढूंढ रहा था, यह देखने के लिए कि क्या उसका अनुभव सही था।

233 अब, हम समझते हैं कि उसके पास सामना करने के लिए एक बड़ी चीज थी। उसे वापस आकर और उसकी कलीसिया के सारे लोगों को उन्ही बातों को बताना था जो उसने सताया था वह सही बात थी।

234 क्या आपने इसी प्रकार से कुछ तो किया है? निश्चित रूप से, लगभग सभी ने किया है, कि वापस जाकर और कहे, "वो लोग जिन्हें हम 'पवित्र शोर मचाने वाले,' बुलाते थे, ये मालूम पड़ा कि, वे सही थे।" देखा? बस इतना ही। हमें बस मुडना था। और जिन बातों से हम पहले एक समय घृणा करते थे, अब हम प्रेम करते हैं। यह एक परिवर्तन है, एक विचित्र चीज है, अजीब सी।

235 अब, मैंने उस "पवित्र शोर मचाने वाले" कथन को दिया। ऐसी कोई चीज नहीं है। ऐसी कोई एक चीज नहीं है। लेकिन, वे लोगों को ऐसा बुलाते हैं, पवित्र लोग। लेकिन वहां कोई पवित्र–शोर मचाने वाले नहीं है। ऐसी कोई एक चीज नहीं है। वहां इस तरह का किसी भी कलीसिया का कोई अभिलेख कभी दर्ज नहीं किया गया है, जहाँ तक मैं देख सकता हूँ, ऐसे ही कुछ नौ सौ साठ, विभिन्न संप्रदायों में से। पवित्र–शोर मचाने वालो जैसा कोई संप्रदाय नहीं है। यह बस एक—एक ऐसा नाम है जिसे शैतान ने कलीसिया पर लगाया था।

236 लेकिन वे उन्हें उस दिन में बुलाते हैं... कितने लोग जानते हैं कि पौलुस के दिनों में उन्होंने उन्हें क्या कहकर बुलाया? धर्म विरोधी। आप जानते हैं *धर्मविरोधी* का क्या अर्थ होता है? "पागल।" यह पागल लोग हैं। तो, मुझे जल्द ही एक "पवित्र–शोर मचाने वाला" के रूप में बुलाया जाएगा एक "धर्मविरोधी" की नाई। क्या आपको नहीं बुलाया जाएगा? तो यदि वे—यदि वे उन्हें यह बुलाया गया था, और वे आनन्दित हुए थे!

और यीशु ने हमसे इसके विषय में क्या करने के लिए कहा? उसने कहा, "आनन्दित, और अत्यंत मग्न होना; क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारा प्रतिफल बड़ा है, क्योंकि भविष्यद्वक्ताओं को तुम्हारे साम्हने ऐसा ही सताया गया था।" उन्होंने ऐसा किया।

237 कहा कि, "अत्यंत मग्न होना।" कोई भी चीज *अत्यंत* होती है "ऊपर की ओर उठा लेती है," सच्ची ख़ुशी। और चेले, जब वे यीशु के नाम के

कारण निंदा को लेने के योग्य पाए गए थे, वे बड़े प्रसन्नता के साथ आनन्दित हुए कि वे उसके नाम की निन्दा को ले सके।

238 और आज, आज बहुत से लोग, यदि वे उन्हें एक पवित्र–शोर मचाने वाले बुलाते है, तो वे डर के मारे झुक जायेंगे, "ओह प्रभु! हो सकता है मैं आरंभ से ही गलत था।"

लेकिन वे इसके विषय में खुश थे, "ओह, प्रभु, नाम के लिए सहन करना!"

239 और अब, दूसरी शताब्दी में, उन्होंने उन्हें *क्रुसवाली पीठ* कहा। यही है जब मसीही लोग अपनी पीठ पर एक क्रूस बांधते थे, यह दिखाने के लिए कि उन्हें मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था। वे उन्हें *क्रूसवाली पीठ* कहते हैं। अब मैं जानता हूँ कि कैथोलिक खुद को ऐसा कहते हैं, लेकिन यह कैथोलिक कलीसिया नहीं थी। ये प्रोटेस्टेंट कलीसिया थी इससे पहले इसे प्रोटेस्टेंट कलीसिया बुलाया गया था। इसने पाप को छोड़ कुछ भी विरोध नहीं किया। वो कारण जिसके लिए आज इसे प्रोटेस्टेंट कलीसिया कहा जाता है, क्योंकि इसने उस—उस कैथोलिक मत–सिद्धांत का विरोध किया था। लेकिन यह एक... यह, तब भी, यह उस समय पर गैर–सांप्रदायिक था, जब उन्हें *क्रूसवाली पीठ* कहा जाता था।

240 बसजोसेफस और अन्य लेखकों, और हिसलोप के *दो बेबीलोन* के इतिहास, और इत्यादि को ले, और आप पाएंगे कि यह सही है, कि वे कोई कलीसिया नहीं थे। अब तक की पहली संगठित कलीसिया, कैथोलिक कलीसिया थी, लगभग तीन सौ वर्ष, अंतिम प्रेरितों के—के दौर में। लगभग तीन सौ वर्ष के बाद, कैथोलिक कलीसिया संगठित हुई थी। और एक सतावट आरंभ हुई, और लोगों को कैथोलिक कलीसिया के अंदर दबाव डाला गया, और उनके पास कलीसिया और राज्य एकजुट थे।

241 ऐसा उसके बाद था, जो तथा–कथित था, कॉन्सटेंटाइन का मत–परिवर्तन, पागानवाद से कैथोलिकवाद में। लेकिन, यदि कोई भी कभी उसका इतिहास पढता है, वो परिवर्तित नहीं हुआ था, वे काम जो उसने किये। ओह, परमेश्वर! केवल एक चीज जो उसने कभी धार्मिक की थी, वो था संत सोफिया कलीसिया पर क्रूस को लगाना। केवल यही वो काम है जो उसने कभी किया, यहां तक कि धार्मिक कार्य भी किया। वो एक—एक

पथभ्रष्ट था। लेकिन वो इसे उसका—उसका मत परिवर्तन कहते है। बस लगभग आज के कुछ तथाकथित मत परिवर्तन के साथ तुलना करते है।

242 अब, लेकिन, हम पाते हैं, जब पौलुस परिवर्तित हुआ और उसे यह सच्चा अनुभव हुआ था, तो वह पूरी तरह से बदल गया था।

और, आप जानते हैं, *परिवर्तन* का अर्थ है "वापस मुड़ना।" आप *इस* ओर जा रहे होते हैं, और आप मुड़ कर और *इस* ओर वापस जाना शुरू करते हैं। जी हाँ, श्रीमान। यह एक वापस मुड़कर, मुंह फेरने के विषय में है।

243 और पौलुस, जैसे ही वह परिवर्तित हुआ था, इससे पहले कि वह कभी अपने अनुभव को पाता... अब उसके पास एक अद्भुत अनुभव था।

अब, मैं विश्वास करता हूँ, जब आप मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं, तो यह एक अनुभव होता है। मैं विश्वास करता हूँ, इस बात को जानने का आनंद कि आपके पाप को क्षमा किये गये है, बस आपके ह्रदय को पूरी तरह से रोमांचित कर देता है।

244 लेकिन उसके बाद जब धन्य पवित्र आत्मा नीचे उतर कर आता है, यही एक अनुभव है, वो नया जन्म, जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे। आप परमेश्वर की संतान बन जाते हैं। और यहाँ यह क्या करता है...

"आप इसे कैसे जानते हैं, भाई ब्रंहम? "

245 अब, ये शिक्षा को देने के विषय हैं। बहुत से मेथोडिस्ट लोग, कहने की कोशिश करते हैं, "जब उन्होंने इसे पा लिया वे चिल्ला उठे।" खैर, यह ठीक है। यदि आपने इसे पा लिया, और चिल्लाया, ठीक है। क्योंकि आपने चिल्लाया, यह एक चिन्ह नहीं था कि, आपके पास यह है, कारण बहुत से चिल्लाते है और उनके पास ये नहीं होता है।

246 पेंटीकोस्टल ने कहा, "उन्होंने अन्य जुबान में बोला। उन्हें मिल गया।" यह सब ठीक है। यदि आपने अन्य जुबानो में बोला, और ये मिल गया, तो ठीक बात है। लेकिन आप अन्य भाषाओं में बोल सकते है और फिर भी ये नहीं हो सकता है। ऐसा है?

247 तो, आप देखते हैं, आखिरकार, यह मृत्यु से जीवन में प्रवेश करने का अनुभव है; जब सारी पुरानी चीजे मर जाती है और सारी चीजे नई बन जाती है। मसीह वास्तविक बन जाता है। पुरानी चीजें छूट जाती हैं, वासना की पुरानी जड़ें। आप जानते हैं कि जड़ को कैसे खोदकर निकालना है?

हम एक खुदाई करने का फावड़ा लेते है और बस उस पर उतर जाते है, और उसे तब तक खोदते रहते है जब तक कि उसमें एक अंश भी न बचा हो। और उन्होंने कहा, “यदि तुम में कोई कड़वाहट की जड़ फूट पड़े, तो उसे पकड़ के निकाल देना।” ये सही बात है। और यही है जो पवित्र आत्मा करता है, सारी जड़ों को जड़ से उखाड़ फेंकता है। उन्हें खोदो। इसका ढेर लगाओ; उन्हें जला दो। उनसे छुटकारा पाएं। यदि हम ऐसा करते हैं तब आपको अच्छी फसल मिलती है।

248 अब, पौलुस ने यह जान लिया कि कुछ तो हुआ है, सो वह वापस अरब को चला गया, और वहाँ पर वो तीन वर्ष तक पुराने नियम के सारे भविष्यद्वक्ताओं का अध्ययन करता है कि उन्होंने किस तरह से भविष्यद्वाणी की। और उसने जान लिया कि यह पूरी तरह से सत्य था।

249 अब, इसकी तुलना आज से करें, देखो, इस छोटी सी कलीसिया में हमारे पास यहां जो अनुभव हुआ था: उस ओर भोर के तारे का उपस्थित होना, वो महान प्रकाश जो नीचे उतर आता है, जो कि पहले से बताता है और होने वाली बातों को दिखाता है। आप जानते है, यह अद्भुत है। लेकिन मेरे सेवकाई करने भाई ने मुझे बताया कि यह शैतान का है। और मैं—मैं इसे समझ नहीं पाया।

250 इसलिए, मैंने एक रात होने तक इसके बारे में कुछ नहीं कहा, वहां आगे ग्रीन मिल, इंडियाना में एक अनुभव हुआ था, जब प्रभु का दूत यहाँ से वहां मंच पर चला, और वहां खडे होकर, और इसे वचन के द्वारा साबित किया। तब इसने आग को लगा दिया। उसके बाद ये बढ़ना आरंभ हुआ।

251 और पिछले रविवार से अधिक समय नहीं हुआ, हमने यीशु मसीह के अचूक चिन्हों को देख़ा, जो उस मनुष्य को ले सकता है जो कभी नहीं चला था और ना ही... उसको संतुलित करने वाली नसे जा चुकी थी, जब मेयोस और सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों ने कहा, “यह हमेशा के लिए ख़त्म हो चुकी है।” और वो अंधा बैठा हुआ था; उठकर खड़ा हो गया और ईमारत से बाहर चलकर गया, अपनी व्हील चेयर को सीढ़ियों से नीचे ढकेलने लगा, वो चल सकता था और बाकी के लोगो की तरह देख सकता था। ये दिखाता है कि यह पुनरुत्थित प्रभु यीशु की सामर्थ है। वहाँ है ये। वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

252 क्या हम आज रात एक आनंदित झुण्ड नहीं हैं, यह जानकर कि परमेश्वर ने इस महान अनुभव को प्रमाणित किया है जो हमारे पास है, उसकी बाइबल और प्रतिज्ञाओ के साथ तुलना करके? इसलिए हमें अत्यधिक प्रसन्न होना चाहिए। और तब हम समझते है कि 2रे अध्याय में, हम पाते हैं, "हमें इन चीजों को नहीं करना चाहिए... हमें इन बातों को अनदेखा नहीं करना चाहिए।" हमें उन बातों को कसके पकडे रहना चाहिए।

> और *तो हम लोग भला ऐसे बड़े उद्धार को अनदेखा करके क्योंकर बच सकते हैं;...*

253 हम परमेश्वर के वचन के उजियाले में क्या करेंगे, जब हम न्याय के कटघरे में खड़े होते हैं? आप नहीं कह सकते, "मैंने कभी फर्क को नहीं समझा था।" ओह, जी हाँ, आपने समझा था। "तो ठीक है, अब, भाई ब्रंहम गलत हो सकते है।" यह सच है। लेकिन परमेश्वर गलत नहीं होता है। उसका वचन गलत नहीं होता है। और उसी बात के बारे में बस सोचे, बाइबल, जो एक समय प्रेरितों में जीवित थी, फिर से जी रही है। ओह, प्रभु का नाम धन्य हो!

254 जब मैं सोचता हूं कि मैं अड़तालीस वर्ष का हूं, पचास के नजदीक हूं, और मेरी जवानी के दिन, और इत्यादि जा चुके हैं; यह जानना कि जब मैं छोटा लड़का था तो मेरे पास यह धन्य प्रतिज्ञा थी, और इसे अपने भाइयों और बहनों को प्रकट किया है; और सचमुच उन हजारों लोगों को देखना जो अंधकार में से बाहर आए हैं, यह जानना कि हम अपने धन्य अनंत घर की ओर जा रहे हैं। "और यदि यह धरती पर का ढेरा सरीखा घर गिराया जाएगा," इससे पहले मैं प्रचार में से होकर लू, "वहां उस ओर हमारे लिये एक रुका हुआ है।" हाल्लेलुय्या! यह जानना कि यहाँ दर्जनों लोग बैठे हुए हैं, कि, यदि वे इस जीवन को ठीक अभी छोड़ दें, इससे पहले कि हम उनके शरीर को मृतसंस्कार का प्रबन्ध करने वाले तक पहुंचा पाये, वे उस ओर महिमामय शरीर में होंगे, परमेश्वर के संतों के साथ आनंद मना रहे होंगे, पहले से ही परमेश्वर की उपस्थिति में, हमेशा के लिए रहने के लिए। बिल्कुल सही, पूरी तरह से पुष्टि के साथ कि ऐसा है! आमीन।

255 ओह, यह प्रेस्बिटेरियन को चिल्लाने को लगाएगा! क्या रविवार को, क्या ऐसा नहीं था? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वे लोग प्रेस्बिटेरियन थे। निश्चय ही सोचेंगे। ओह, कोई आश्चर्य नहीं कि लोग

भावुकता में आ जाते हैं! क्यों, यदि आप गेंद से बल्लेबाजी करने में या बास्केट में एक बाल को फेंकने में भावुकता में आ जाते है, तो आपको ये कितना अधिक भावुकता में होने को लगाएगा यह जानकर कि आप मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुके हैं, कि आप मसीह में एक नई सृष्टि हैं! आप इसे आपकी आत्मा के द्वारा जानते है जिस प्रकार से ये आपको द्वेष से, और कपट से, और बैर, और संसार की सारी चीजो से दूर अगुवाही करती है। और आपका हृदय मसीह पर केन्द्रित होता है। यही आपका उदेश्य है। यही है जो आप सारे दिन और रात आप अपने मन में, अपने हृदय में बस इसे सोचते हैं। जब आप रात को सोने के लिए जाते है, और अपने हाथ अपने पीछे *इस* प्रकार से रखते है, और तब वहां लेटकर और उसकी स्तुति करते रहते है जब तक कि आप सो नही जाते है। सुबह को उठते है, अब भी उसकी स्तुति करते रहते है। आमीन। ओह, प्रभु!

256 मैंने उसकी स्तुति करने की कोशिश की है। एक सुबह से, भाई वुड और मैं, हम लगभग चार बजे उठते आ रहे है, सुबह जल्दी बाहर जाते है, गिलहरी के शिकार को करने के लिए जाते है। मैं हर पेड़ के नीचे उसकी स्तुति करता हूँ, मैं विश्वास करता हूँ, मैं आया हूँ। मैं पेड़ नहीं देख सकता, बिना उसे बिना प्रशंसा दिए हुए। सोचे, उसने उस पेड़ को उगाया। उस एक छोटे से पुराने टिड्डे को उड़ते हुए देखें; वह उस टिड्डे को जानता है। "ओह," आप कहते है, "बेकार की बात है, भाई बिल।" ओह, नहीं, ऐसा नहीं है। वह जानता है कि हर एक गिलहरी कहाँ है। वह जानता है कि हर एक तितली कहाँ है।

257 क्यों, एक समय में, उसे कुछ पैसों की आवश्यकता थी, और उसने कहा, "पतरस, कुछ समय पहले वहां एक मछली थी, एक सिक्का निगले हुए है, बस इतना काफी है, जितना हमें चाहिए। जाओ कांटे को अंदर डालो। मैं उसे वहाँ उस पर भेज दूँगा। उस सिक्के को उसके मुंह से निकालो, क्योंकि वह खुद से इसका इस्तेमाल नहीं कर सकती। जाकर उसे हमारे दशमांश और भेंट के लिए अर्पित करो।" आमीन।

258 और कुछ हफ्ते पहले, मैंने एक छोटी मछली को मरा हुआ देखा, जो पानी पर पड़ी हुई थी। आप सभी ने इसकी कहानी को सुना होगा। वहां भाई वुड और उनके भाई थे और वे यहां इसके गवाह हैं। वह छोटी सी मछली आधे घंटे तक पानी पर पड़ी रही, उसकी अंतड़ियों उसके मुँह से बाहर

निकल आयी थी। और वो महान पवित्र आत्मा नीचे उतर आया, एक दिन पहले, उसके कहने के बाद कि, "तुम एक छोटे से जानवर के पुनरुत्थान को देखने जा रहे हो।" और अगली सुबह को, लगभग सूर्यास्त के कुछ ही समय बाद, हमने उस छोटी सी मछली को देखा, *इतना* अधिक समय नहीं हुआ। जब प्रभु का आत्मा नीचे उतर आया, और कहा, "छोटी मछली, यीशु मसीह तुम्हे ठीक करता है।" और वो मरी हुई मछली लगभग आधे घंटे से पानी के ऊपर ही ऊपर तैर रही थी, वो जीवन में आ गयी और जितना तेजी से हो सकती था वो तैर कर चली गयी। ओह, प्रभु का नाम धन्य हो। वो कितना अद्भुत है!

259 कोई आश्चर्य नहीं कि पौलुस कह सकता है, कि, "वो मेल्कीसेदेक के क्रम में था।" वो मेल्कीसेदेक था। "मेल्कीसेदेक के दिनों की कोई शुरुआत नहीं थी। उसके वर्षों का कोई अंत नहीं था। उसके जीवन का न कोई आदि था और न ही जीवन का अंत। उसका न तो पिता था और न ही माता।" तो, वह कोई और नहीं हो सकता था। हमेशा वह जो था, वह आज रात अब भी जीवित है। तो, अनन्त जीवन का केवल एक ही नमूना है, और यह परमेश्वर का है।

260 कल शाम जब हम चर्चा कर रहे थे, एक भाई परमेश्वर की त्रिएकता को नहीं समझ सका, और किस तरह से हम इसके विषय में बात कर रहे थे। कि यीशु वहाँ किस तरह से खड़ा हुआ था, एक मनुष्य, जो लगभग तीस वर्ष का था। और उसने कहा...

उन्होंने कहा, "ओह, हमारे बाप–दादाओ ने जंगल में मन्ना खाया।"

261 उसने कहा, "और वे, हर एक, मर गया।" लेकिन उसने कहा, "मैं जीवन की वो रोटी हूँ जो स्वर्ग से परमेश्वर की ओर से आयी है, जिसे मनुष्य खाता है और मरता नहीं है।"

262 "ओह," उन्होंने कहा, "हमारे बाप–दादाओ ने जंगल में चट्टान से पिया।"

263 उसने कहा, "मैं वो चट्टान हूँ।" तीस वर्ष का एक मनुष्य। कहा, "अब्राहम मेरे दिन को देखकर आनन्दित हुआ।"

264 "क्यों," कहा, "अब तुम्हारा मुझे बताने का मतलब यह हैं कि आप अब्राहम के जितने बूढ़े हो, और तुम अब भी पचास वर्ष के नहीं हुए हो, और तुम्हारे कहने का मतलब यह है कि तुमने अब्राहम को देखा है जो आठ

सौ वर्ष हुए मर चुका है? हम जानते हैं कि अब तेरे पास एक शैतान है। तुम पागल हो।" यही है जो... यही *शैतान* का मतलब होता है, "पागल व्यक्ति।" कहा, "तुम्हारे पास एक शैतान है, और तुम पागल हो।"

265 उसने कहा, "इससे पहले अब्राहम था, **मै हूं**।"

266 यही है जो वो था। वह महज एक मनुष्य नहीं था, न ही वो एक भविष्यव्यक्ता था। वो परमेश्वर था, परमेश्वर धरती पर एक शरीर में वास करता हुआ जिसे "यीशु," बुलाया गया, वो—वो देहधारी परमेश्वर का पुत्र। बिल्कुल ठीक यही वो था।

267 अब, हम उसे यहाँ पर पाते हैं, कि अब अंतिम भाग में, 2रे अध्याय की समाप्ति पर, जिसे मैं चाहता था, 16वें पद या 15वें पद से आरंभ करते हुए।

और उन्हें छुड़ा ले... जितने मृत्यु के—मृत्यु के भय के मारे जीवन भर दासत्व में फंसे थे।

यही है जो उसने कहा जो यीशु ने किया, कि वह उन्हें दासत्व से छुड़ाने के लिए आया, जो उनके सारे जीवन भर मृत्यु के भय में रहे थे।

268 अब मृत्यु से डरने की आवश्यकता नहीं है। अब, अवश्य ही, हम डरते हैं; हम, हममें से कोई इसे नहीं चाहता, जिसे हम *मरना* कहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यदि कोई व्यक्ति फिर से जन्म लेता है तो वह मर नहीं सकता? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] भला कैसे उसके पास अनन्त जीवन हो सकता है और फिर मर सकता हो? वह ऐसा नहीं कर सकता। केवल एक चीज जो है मृत्यु, *मृत्यु* शब्द का अर्थ होता है "अलग होना।" अब वह हमारी दृष्टि की उपस्थिति से अलग हो जाएगा। लेकिन वह हमेशा ही परमेश्वर की उपस्थिति में होता है, और हमेशा ही रहेगा। इसलिए, मृत्यु कोई कठिन बात नहीं है। मृत्यु एक महिमामय बात है। मृत्यु वह है जो हमें परमेश्वर की उपस्थिति में ले जाती है।

269 लेकिन अब, निश्चित रूप से, हम, मनुष्य होने के नाते, हम यहाँ इन अंधकार के तत्वों में चलते हैं, हम—हम इसे वैसा नहीं समझ पाते जैसा हमें समझना चाहिए। और, अवश्य ही, जब मृत्यु की घुटन की पीड़ा आती है, तो यह हममें से उन्ही संतों को भयभीत करने को लगाता है और पीछे हटने को लगाता है। इसने परमेश्वर के पुत्र को यह कहने को लगाया, "क्या यह प्याला हट सकता है?" यह एक भयानक बात है। इसे गलत

न समझें। क्योंकि हम... यह पाप का दंड है, जो मृत्यु है, और इसे तो भयानक होना है।

लेकिन यदि हम बस पर्दे के उस ओर देख सकते हैं, तो वहीं है जहाँ पर यह है। धन्य हो प्रभु! बस परदे के उस ओर, यही है जहाँ पर मनुष्य आज रात देखने की इच्छा रखता है। लिटिल अन्ना माई स्नेलिंग और वे यहां अक्सर एक गीत गाते थे, "प्रभु, मुझे समय के पर्दे के उस पार देखने दो।" इसे हर कोई देखना चाहता है।

270 अब, अब हम यहाँ पर 16वें पद में है। "सचमुच में उसने लिया... "

क्योंकि वास्तव में उसने दूतों के प्रकृति को उस पर नहीं लिया;
परन्तु उस ने अब्राहम के वंश को अपने ऊपर ले लिया।

271 ओह, हम इसे अब फिर से लेना चाहते हैं। अब हम ठीक लेने के लिए नीचे आ रहे हैं... कारण, इस 3रे अध्याय का पहला भाग, इसका अंतिम भाग, ये आगे मिश्रित होता है "उस सब्त के दिन के लिए," इस आने वाले रविवार के लिए।

272 अब देखना।

... उसने नहीं लिया... दूतों की प्रकृति को नहीं लिया;...

अब, कौन है "वो," वो जिसके बारे में बात कर रहा है? मसीह। मसीह कौन है? परमेश्वर, परमेश्वर का लोगोस।

273 अब मुझे इसे फिर से समझाने दे, जिससे कि आप सुनिश्चित हों जाये। परमेश्वर तीन परमेश्वर नहीं हैं। ईश्वर की त्रिएकता एक है। पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा, का अर्थ यह नहीं होता है कि तीन अलग–अलग परमेश्वर हैं। यदि ऐसा है, तो हम मूर्तिपूजक होंगे। यही वो कारण है कि यहूदी समझ नहीं सकते। ना ही कभी इसे बाइबल में सिखाया गया था। अब, इसे तो कैथोलिक कलीसिया में सिखाया जाता है, बिल्कुल, यही है जहाँ से त्रिगुण बपतिस्मा आता है।

274 अफ्रीका में वे आपको तीन बार आगे मुंह की तरफ डूबा के बपतिस्मा देते हैं: एक बार पिता परमेश्वर के लिए; एक बार परमेश्वर पुत्र के लिए; एक बार परमेश्वर पवित्र आत्मा के लिए। अब, यही एक गलत बात है। वहां बाइबल में ऐसी कोई शिक्षा नहीं है। देखा?

275 और अब, यही है—यही है जो उन्होंने सिखाया है। यह लूथर में से होते हुए आगे आया; लूथर से, वेस्ली में; आगे और आगे युगों के अंदर वैसे–वैसे ये आगे आने लगता है। लेकिन यह कभी भी बाइबल की शिक्षा नहीं थी। यह हमेशा से एक गलती रही है, जब से ये आरंभ हुआ था।

276 अब, तो, परमेश्वर आदि में था। इससे पहले कोई प्रकाश हो, इससे पहले कभी एक अणु हो, इससे पहले कि कोई तारा हो, इससे पहले कोई भी प्रकट वस्तु हो, परमेश्वर ने सारे अंतरिक्ष को भर दिया। और उसमें शुद्धता के सिवाय और कुछ नहीं था: शुद्ध प्रेम, शुद्ध पवित्रता, शुद्ध धार्मिकता। ये आत्मा थी। उसने पूरे सम्पूर्ण अंतरिक्ष को अनंतता से ढांप दिया, जहां हम इसे पूर्ण रूप से समझ नहीं सकते। यह किसी भी चीज से परे होती है जिसकी हम कल्पना कर सकते हैं।

277 जैसे उस कांच में से होते हुए, हम एक—एक सैकड़ो और कुछ लाखो वर्षो के अंतरिक्ष के प्रकाश को देख सकते है। इस पर सोचे। दस करोड़ वर्षो का अंतरिक्ष प्रकाश। और प्रकाश—प्रकाश लगभग आठ हजार मील प्रति सेकंड की गति से यात्रा करता है। और सेकड़ो और करोडो वर्ष का अंतरिक्ष प्रकाश... जरा सोचिए कि यह कितने करोडो मील का होगा। आप इसका यहाँ तक हिसाब भी नहीं लगा सकते है। आप बस नौ की एक कतार को ले सकते हैं और इसके जेफरसनविले के चक्कर लगाए, और फिर भी आप इसे मीलों–मीलों में विश्लेषण नहीं कर पाएंगे। इसके बारे में सोचो। और उससे भी परे और भी तारे और ग्रह होते हैं। और परमेश्वर, उनमें से एक भी होने से पहले, वह था। देखा?

278 और अब लोगोस जो परमेश्वर से निकला था, जो कि—कि लोगोस था, यह सारा एक—एक शरीर के आकार में रूप लेने लगता है। और इस शरीर के आकार को, विद्वानों की शिक्षाओं में, लोगोस कहा जाता था, वह लोगोस जो परमेश्वर से बाहर निकला था। दूसरे शब्दों में, इसके लिए एक—एक बेहतर शब्द है, जिसे हम दैविक शरीर कहते हैं। (दैविक शरीर एक मानव शरीर है जो महिमावंत हुई है।) ना ही मांस और लहू के साथ, जैसे ये इसकी महिमावंत अवस्था में होगी, लेकिन यह मानव शरीर का एक रूप होती है जो न खाता है, न ही ये पीता है, लेकिन यह—यह एक शरीर है, एक शरीर जो हमारे लिए रुका हुआ है जैसे ही हम इस एक को छोड़ते है। अब, उसमें, हम उस शरीर के अंदर प्रवेश करते हैं। और यही उस प्रकार

का शरीर है जो परमेश्वर था, क्योंकि उसने कहा, “आओ हम मनुष्य को अपने स्वरुप में और अपनी समानता में बनाएं।”

279 अब, जब मनुष्य उस शरीर में बन गया, तो उसके पास सारे मछलियों का, और पक्षियों, और—और भूमि के पशुओ का नियंत्रण था। “और तब मिट्टी की सिचाई करने के लिए कोई भी मनुष्य नहीं था,” उत्पत्ति 2। उसने नर और नारी को बनाया, लेकिन मिट्टी की सिचाई के लिए कोई मनुष्य नहीं है।

तब परमेश्वर ने मनुष्य को धरती की मिट्टी से बनाया। वह उसे एक हाथ एक—एक चिंपैंजी की तरह देता है। वह उसे भालू की तरह पैर देता है। वह उसे देता है, उसने उसे उस स्वरुप में बनाया। और यह धरती पर का शरीर जानवर जीवन की छवि में है, और यह उसी तरह के वस्तु–सामग्री से बनाता है। आपका शरीर घोड़े, या कुत्ते, या बस इसी प्रकार की किसी चीज के वस्तु–सामग्री से बना है। यह कैल्शियम, पोटाश, पेट्रोलियम, कॉस्मिक प्रकाश से बना हुआ है। तुम बस नहीं... उस तरह की सभी देह एक ही देह नहीं होती है; यह एक अलग ही देह है, लेकिन यह धरती की मिट्टी से बनी हुई है जहां से यह आती है।

लेकिन, एक जानवर और एक मनुष्य के बीच का जो अंतर है, परमेश्वर ने एक मनुष्य में एक प्राण को डाला है, और उसने इसे जानवर में नहीं डाला। क्योंकि, वो प्राण जो मनुष्य में था, वो दैविक शरीर है।

ओह, मैं—मैं, मैं कभी नहीं ले पाऊंगा... इस विषय को, लेकिन मुझे इसे लेना होगा।

280 देखो। क्या आपको याद नहीं जब पतरस बन्दीगृह में था, और प्रभु के दूत ने आकर और द्वार को खोल दिया?

281 हम एक दिन यहाँ ऊपर सुपरबाजार में से जा रहे थे, और हमारे सामने दरवाजा खुल गया। मैंने कहा, “तुम जानती हो, बाइबल में ऐसा पहले हुआ था।” देखा? अब, ऐसा दरवाज़े का अपने आप में सर्र से खुलना हुआ है।

282 और जब पतरस इन सुरक्षाकर्मीयों के पास चलकर निकला, तो वे उसे नहीं देख पाए थे। वो भीतरी सुरक्षाकर्मी से पास से, बाहरी सुरक्षाकर्मी के पास से, बाहर आंगन में, दीवार से होते हुए, बाहर रास्ते में से होकर गुजरा। और उनमें से कोई नहीं जानता कि वो कौन था। और किसी ने ध्यान नहीं... उन्होंने सोचा कि वह एक और सुरक्षाकर्मी या कुछ और था।

वे... वह बस वहां से होकर गुजरा गया, और जैसे ही वह बाहर निकला, दरवाज़ा अपने आप खुल गया, और पीछे से बन्द हो गया। और जब वह वहाँ से बाहर निकला, तो उसने सोचा कि उसे कोई सपना आया था। और वो यूहन्ना मरकुस के घर में चला गया, जहां उनकी एक प्रार्थना सभा थी। और उसने खटखटाया था... [भाई ब्रंहम ने पुलपिट पर खटखटाते है। टेप पर खाली जगह—सम्पा।]... तुम्हारे बीच होना।

283 ओह, वो महिमामय है। वो अद्भुत है।

> अब, ओह, *वह उस* दूत *के* रूप में नहीं बनाया गया था; *लेकिन उसने... अब्राहम का बीज लिया।* परमेश्वर *अब्राहम का वंश* बन *गया।*

284 अब, यदि हमारे पास समय होता था, तो पीछे जाकर और दिखाता कि उसने इसे वाचा में किस तरह से किया! आपने मुझे इस पर प्रचार करते हुए बहुत बार सुना है, कि कैसे उसने उन जानवरों को लेकर और उन्हें काट कर अलग किया, और पिंडुकी और कबूतर को अंदर की ओर फेंका। फिर उस ने वहां देखा, और उस ने ध्यान दिया एक हल्का सा धूआं, काला डरावना, मृत्यु। अगली बात, उठती हुई भट्टी से कुछ धुँआ, अधोलोक। लेकिन, इसके उस ओर, छोटा सा सफेद प्रकाश चला गया। और वह छोटा सा सफेद उस कटे हुए बलिदान के प्रत्येक टुकड़े के बीच में चला गया, यह दिखाने के लिए कि वो क्या करेगा। और उस ने शपय खाई, जब उस ने ऐसा किया, और उस ने एक वाचा को लिखा, यह दिखाने के लिए वो क्या करेगा।

285 और वो, यीशु मसीह, धरती पर आया; परमेश्वर, *इम्मेनुएल*, "परमेश्वर देह में।" और कलवरी पर, उसे फाड़ कर अलग कर दिया था। और उसकी आत्मा कलीसिया पर वापस आती है। और उसकी देह ऊपर उठा ली गयी और परमेश्वर के सिंहासन पर बैठ गया।

परमेश्वर का सिंहासन! वो एक जो सिंहासन पर है वह न्यायी है। हम यह जानते हैं। तो ठीक है, न्याय कहां पर है? पिता ने दिया है... वह किसी मनुष्य का न्याय नहीं करता। लेकिन पिता ने सारे न्याय को पुत्र को सौंप दिया है। इसलिए वो है। और उसका जीवन महायाजक का है, जो अपने खुद के शरीर के साथ, एक बलिदान के नाई, हमारे अंगीकार के

समर्थन करने के लिए वहां बैठता है। आमीन। भाई, यह आप में कुछ तो डालता है।

286 ध्यान दे, "उसने अब्राहम के बीज को ले लिया।" वो एक मनुष्य बन जाता है। परमेश्वर हमारे बीच देहधारी हुआ, ताकि हमें छुड़ाये। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर पाप बन गया, ताकि हम जो पापी है उसके भागीदार बन सकें। और जब हम उसके भागीदार होते हैं, हम भागीदार होते हैं उसके... हम समय–अवधि के लोग थे, आयु के सत्तर और अस्सी वर्ष। और परमेश्वर नीचे उतर आया और हम में से एक बन गया, आयु के सत्तर और अस्सी वर्ष, उसके जीवन के लिए, ताकि हम उसके अनन्त जीवन में भागदार हो सकें। और जब हम फिर से जन्म लेते हैं, तो हम परमेश्वर के पुत्र और पुत्रीयां होते हैं, और हमारे पास अनन्त जीवन होता है, और कभी नष्ट नहीं होंगे।

ओह, क्या ही—क्या ही—क्या ही धन्य उद्धारकर्ता! ओह, इसे लिखने का कोई तरीका नहीं है। इसे समझाने का कोई तरीका नहीं है। यह बात बस समझाने से परे है। यह कितना महान है, इसकी व्याख्या कोई भी नहीं कर सकता। "आप कितने महान हैं! आप कितने महान हैं!" सही है।

> *इस कारण उस को चाहिए था, कि सब बातों में अपने भाइयों के समान बने,...* (उस पर सोचे।)... *जिससे कि वह उन बातों में जो परमेश्वर से सम्बन्ध रखती हैं, एक दयालु और विश्वास योग्य महायाजक बन सके,...* (इसे सुनना।) *... ताकि लोगों के पापों के लिये... मेल–मिलाप करे।*

मेल–मिलाप करने के लिए, अब, परमेश्वर, न्याय को जानते हुए, अन्यायी बनना था, ये महसूस करने के लिए कि एक पापी होना क्या होता है, कि वापस जाकर ताकि मेल–मिलाप करे, "फिर से मेल या मिलाप," में से होते हुए और लोगों पर दया करे।

287 अगला पद, इसे यहाँ पर सुनना।

> *क्योंकि उस ने परीक्षा की दशा में खुद दु:ख उठाया था...*

288 परमेश्वर आत्मा में दु:ख नहीं उठा सकता था। उसे देह बनना था, ताकि बीमारी की पीड़ा को महसूस करे, कि वासना के लुभाव को महसूस करे, ताकि इच्छा के लुभाव को महसूस करे, कि भूख के लुभाव को महसूस

करे, कि मृत्यु की शक्ति को महसूस करे। जिससे कि उस महान आत्मा यहोवा, उस आत्मा की, ना ही मनुष्य की उपस्थिति में खड़े होने के लिए वो इसे अपने खुद के ऊपर ले सके; वो आत्मा, जिससे कि इस जीवन के लिए बिचवाई करे। और यीशु ने इसे लिया, जिससे कि हमारे लिए बिचवाई को करे, क्योंकि वह जानता है कि इससे कैसा महसूस होता है। जब आप बीमार होते हैं, तो वह जानता है कि आपको कैसा महसूस होता हैं। जब आप परीक्षा में पड़ते हैं, तो वह जानता है कि आपको कैसा महसूस होता हैं।

289 अब, क्या आपने कभी ध्यान दिया कि जब हम राष्ट्रपति के लिए मतदान करते हैं, हर एक किसान एक ऐसे राष्ट्रपति को वोट देगा जो किसान रहा है, क्योंकि वह किसान के जीवन के कठिन भाग को जानता है। देखा? वो कोई ऐसा मनुष्य चाहता है जो समझता हो।

290 और इससे पहले कि परमेश्वर कभी समझ पाये (वो उस महान पवित्र होने के नाते, वह भला मनुष्य को दोषी ठहराने के बाद कभी कैसे समझ सकता था? उसकी पवित्रता के द्वारा, उसने मनुष्य को दोषी ठहराया।), और केवल एक ही जरिये से वह कभी यह जान पाएगा कि मनुष्य को कैसे धर्मी ठहराया जाए, वह है मनुष्य बनकर।

291 और परमेश्वर ने कुँवारी पर छाया किया और उसने एक शरीर को जन्म दिया, न यहूदी का लहू, और न अन्यजाति का लहू, लेकिन उसका खुद का लहू। परमेश्वर का सृष्टी किया हुआ लहू, इसमें कोई शारीरिक संबंध नहीं, बिल्कुल भी नहीं, ना ही कोई यौन इच्छा। और इस लहू की कोशिका को, महिला के गर्भ में सृष्टी किया गया, पुत्र को जन्म दिया। और जब यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने उसे बपतिस्मा दिया, यूहन्ना ने कहा, "मैं गवाह हूँ, परमेश्वर के आत्मा को (पिंडूक की नाई) उतरते हुए देखता हूँ और उस पर आकर ठहर गया।"

292 कोई आश्चर्य नहीं कि यीशु कह सकता है कि, "स्वर्ग और धरती की सारी सामर्थ मेरे हाथ में दी गई हैं।" परमेश्वर और मनुष्य एक बन गए। स्वर्ग और धरती ने एक दूसरे को गले लगाया, और वही वो एक था जो हमारे पापों के लिए समाधान को दे सकता था। यही वो कारण है कि, उसके नाम में, चंगाई जगह लेती है। वह आपके दर्द को जानता है।

293 आपने कभी इस छोटे से, पुराने गीत को सुना है?

यीशु उस दर्द को जानता है जो आप महसूस करते हैं,
वो बचा सकता है और वो चंगा कर सकता है;
अपने बोझ को प्रभु के पास ले जाये और उसे वहीं छोड़ दे।

ये सही है। वो जानता है।

जब हमारा शरीर दर्द से भरा हुआ होता है, और हमारा स्वास्थ्य हम फिर से प्राप्त नहीं कर सकते हैं,
बस याद रखें स्वर्ग में परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देता हैं;
यीशु उस दर्द को जानता है जो आप महसूस करते हैं,
वो बचा सकता है और वो चंगा कर सकता है;
अपने बोझ को प्रभु के पास ले जाये और उसे वहीं छोड़ दे।

294 बस इतना ही वो कहता है, “बस इसे वहीं पर छोड़ दे।” क्यों? वो यहाँ पर खड़ा हुआ हमारा महायाजक हैं, जो जानता हैं कि आप कैसा महसूस करते हैं। और वह जानता है कि कैसे आपको वापस अनुग्रह में मिलान करना है, और कैसे आपको आपके स्वास्थ्य में वापस लाना है। वो इसके बारे में सब कुछ जानता है, उसने दु:ख उठाया। जब आपके पास सिर रखने की जगह नहीं थी, तो उसके साथ भी ऐसा ही था। जब आपके पास बदलने के लिए एक ही कपडा था, तो उसके पास भी एक ही था। जब आपका मज़ाक उड़ाया गया, सताया गया, तो उसके साथ भी ऐसा ही था।

295 अब अंतिम पद को सुनना। तो ठीक है।

... तो वह उन *की भी सहायता कर सकता है, जिन की परीक्षा होती है।*

या, दूसरे शब्दों में, वह उन्हें *दृढ़* करने में सक्षम है, उनकी *सहायता* करने में, उन्हें बनाने के... ताकि उनके साथ *सहानुभूति* करे। क्योंकि, परमेश्वर स्वयं मनुष्य बन गया, जिससे कि इसे महसूस कर सके।

296 आपको याद है, उस रात को, क्या हमने उस पर शिक्षा को नहीं दिया? परमेश्वर को यह कैसे करना पड़ा था... मौत में एक डंक था, उसमें एक भय

था। "उनके सारे दिनों में वे इस *मृत्यु* के बंधन में बंधे हुए थे।" और फिर यीशु आया, जिससे कि वह उस डंक को मृत्यु में से निकाल सके।

और जब वो ऊपर पहाड़ पर जा रहा था, याद है कि हमने इसका किस तरह से चित्रण किया था? उसके वस्त्र पर वे छोटे–छोटे लाल धब्बे, थोड़ी देर के बाद वे सारे एक बड़े धब्बे में बदल जाते हैं, और उसके चारों ओर लहू के छींटे उड़ते हैं। उसका छोटा सा, कमजोर शरीर, वो आगे नहीं जा सका, और वो गिर पड़ा। वो अश्वेत मनुष्य साइमन साइरेन ने उसे ऊपर पहाड़ी पर क्रूस को उठाकर ले जाने में सहायता की।

और जब उन्होंने उसे क्रूस पर कीलो से जड़ दिया, और वो पानी के लिए चिल्लाने लगा। किसी भी मनुष्य का लहू बह रहा हो उसे पानी की आवश्यकता होती है।

297 याद है जब मैंने उस रात को इस पर प्रचार किया था "जैसे हरिणी नदी के जल के लिये हांफती है, वैसे ही, हे परमेश्वर, मैं तेरे लिये हांफता हूं"? यदि हिरण घायल हो जाता है और जीवित है, लहू निकल रहा है, तो उसे पानी को पीना होगा या तो वह मर जाएगा।

298 जब मैं चौदह वर्ष का था, तब मुझे मैदान में गोली मार दी गई थी। और मैं वहां पर पड़ा हुआ था। मेरे पैर थम से गए, हैमबर्गर की तरह, 12 गेज की बन्दूक से। और मैं पानी के लिए चिल्लाने लगा, "ओह, मुझे पानी दो!" मैं सुन्न पड़ गया; मेरे होंठ सुन्न पड़ गए थे।

299 मेरा मित्र एक पुराने तालाब की ओर दौड़ कर गया, उसमें सभी प्रकार के छोटे पुराने पानी के जीवाणु, दलदल था। मैंने परवाह नहीं की कि यह क्या था। और उस ने टोपी में पानी को भरा, और मैं ने अपना मुंह खुला रखा था, और उस ने *इस* तरह से अपनी टोपी को, मेरे मुंह में निचोडा। जी हाँ, मुझे पानी को पीना था।

300 उसका लहू बह रहा था। उसने कहा, "मुझे पानी दो।" और उन्होंने उसे एक स्पंज पर सिरका दिया, और उसने इसे लेने से मना कर दिया, और इसे अस्वीकार कर दिया। वो परमेश्वर का मेम्ना था जो हमारे स्थान पर मर रहा था, जिससे कि मनुष्य के लिए समाधान को ला सके। यह क्या था? स्वर्ग का परमेश्वर।

301 बिली संडे ने एक बार कहा था कि, “हर एक झाड़ी के अंदर दूत बैठे हुए थे, ये कह रहे थे, ‘बस अपना हाथ ढीला करो और अपनी उंगली से ईशारा करो, हम परिस्थिति को बदल देंगे।’”

302 धार्मिक कट्टरपंथियों का वह शरारती झुंड, जो डी.डी., पीएच.डी. के कुछ बड़े शिक्षित विद्वान कहलाता हैं, उसके पास चलकर गया और कहा, “अब, यदि तू परमेश्वर के पुत्र हैं, तूने दूसरों को बचाया, तू स्वयं को नहीं बचा सकता, क्रूस पर से नीचे उतर आ, और हम तूझ पर विश्वास करेंगे।”

303 वे नहीं जानते थे कि वे उसकी प्रशंसा कर रहे थे। वह खुद को बचा सकता था। लेकिन यदि वो खुद को बचा लेता, तो दूसरों को वह नहीं बचा पाता। इसलिए, उसने खुद को दे दिया। उनका नाम धन्य हो। उसने अपने आप को दे दिया, जिससे कि मैं बचाया जा सकूं और आप को बचाये जा सके। ओह, क्या ही अतुलनीय प्रेम!

304 उसे बीमार नहीं होना था। कुँवारी में जन्मे उस बहुमूल्य शरीर को बीमार होने की आवश्यता नहीं थी। लेकिन वह बीमार हो गया, जिससे कि वह जान सके कि जब मैं बीमार होता हूँ तो मेरे लिए कैसे बिचवाई को करना है।

305 उसे थकने की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन वह थका। मैंने उस पर एक समय कुछ इतिहास को पढ़ा, मैं नहीं जानता कि यह सच्चा या प्रामाणिक था या नहीं। “जब उस ने वहां नैन के रहने वाले मरे हुये लड़के को जिलाया, तब वह चट्टान पर बैठ गया, और सिर के दर्द से कराह उठा,” क्योंकि उसे हमारी बीमारी को लेना था।

306 उसे हमारे पाप को उठाना था, और वहां पर वो मर गया, और कलवरी पर जब उस पुरानी मधुमक्खी और मृत्यु ने एक समय इसके डंक के लंगर को डाल दिया। हर कोई जानता है, जब मधुमक्खी इसके डंक को लंगर करती है, तो ये उसके बाद से डंक नहीं मार सकती है। जब मधुमक्खी उड़ कर जाती है या कोई भी कीड़ा जो डंक मारता है, जब वह अपने डंक को लंगर करता है, तो वो डंक को बाहर निकाल देता है। वह अभी भी मधुमक्खी है लेकिन उसके पास डंक नहीं होता है। केवल एक चीज है जो वह कर सकती है वह है भिनभिनाने की आवाज़ करना और बहुत शोर–गुल करना।

307 केवल यही एक चीज है जो मृत्यु विश्वासी के लिए कर सकती है, वह है बहुत शोर–गुल करना। लेकिन, हाल्लेलुय्या, परमेश्वर का नाम धन्य हो, उसने अपने ही देह में मृत्यु के उस डंक को लंगर डालने दिया। इम्मेनुएल ने इसे किया। तीसरे दिन फिर से जी उठा, डंक को वहाँ से झटक दिया, और आज रात को अमरहार है। और उसकी आत्मा इस ईमारत में है, और वह हमारे बीच में अपने आप को जीवित साबित करता है। यही हमारा मसीहा है। यही हमारा धन्य उद्धारकर्ता है।

इब्रानियों, अध्याय दो 3 HIN57-0828

(Hebrews, Chapter Two 3)

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 28 अगस्त, 1957, को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org